

[This question paper contains 3 printed pages.]

Roll No.:

Sr. No. of Question Paper:

Unique Paper Code : 2132203601

Name of the Paper : Sanskrit Literature: Katha-Kavya (DSC)

Name of Course : B.A. (Programme) with Sanskrit, NEP UGCF 2022

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks: 90

Instructions for Candidates | छात्रों के लिए निर्देश

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

प्रश्न पत्र प्राप्त होते ही ऊपर दिए गए स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. All questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit, Hindi, or English. However, the same medium should be used throughout the paper.

जब तक किसी प्रश्न में विशेष निर्देश न हो, उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी में लिखें। किंतु पूरे उत्तर-पत्र में एक ही भाषा का प्रयोग करें।

1. Translate any three of the following paragraphs/stanzas | निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों/पद्यों का अनुवाद

कीजिए:

(3 × 6 = 18 marks / अंक)

a) कुदृष्टं कुरिज्ञातं कुश्रुतं कुरीधिकृतम्।

तेन नरेषु न कर्तव्यं नार्पितेनात्र यत्कृतम्॥

b) गगनाधिमिव नष्टतारं शुष्कधिमिव सरः श्मशानाधिमिव रौद्रं।

विप्रियदर्शनानां रूक्षं भवति गृहमनार्यस्य॥

c) अश्राव्यं कुत्सितं ह्येतत् पाञ्चालो नाभिभाषते।

परोऽप्यात्मैव मे मित्रं स मे जीवति वा म्रियते॥

d) वृद्धव्याघ्र-लुब्धपथिककथा का मूल सन्देश क्या है?

What is the main message of the story "Vridbhavyaghra-Lubdhapathika"?

2. Explain any two of the following with reference to context | निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों/पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (2 × 9 = 18 marks / अंक)

a) एकाकी गृहमत्यक्तं क्षात्रो दिगम्बरः।
सोऽपि सम्बध्यते लोके तृष्णया श्येनकौतुकम्॥

b) कुजैर्मदगन्धैश्च मारुतैः कम्पितद्रुमैः।
गच्छन्तं पथि राजानं दृष्ट्वा जनपदास्तदा॥

c) वृद्धव्याघ्रस्य कपटं कथं लुब्धेन पथिकेन उद्धाटितम्?
How did the hunter expose the deception of the old tiger?

3. Explain any one of the following verses in Sanskrit | निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (1 × 9 = 9 marks / अंक)

a) व्याधिष्ठेन संशोकानां चित्ताग्रस्तेन जन्तुना।
कामातुरेण मत्तेन दृष्टं स्वप्ने धनार्जनम्॥

b) आश्चर्यं गृहमुत्सृज्य क्षात्रो दिगम्बरः।
सः अपि संमुगध्यते लोके तृष्णया श्येनकौतुकम्॥

4. Answer any two of the following questions | निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2 × 18 = 36 marks / अंक)

a) क्षपणककथा का सारांश हिन्दी में लिखिए।
Summarize the Kshapanakakatha in Hindi.

b) 'ब्राह्मणी-नकुलकथा' से क्या नैतिक शिक्षा प्राप्त होती है?
What moral lesson is conveyed through the Brahmani-Nakulakatha?

c) कथासरित्सागर और वेतालपञ्चविंशतिका की कथाशैली की तुलना कीजिए।
Compare the narrative style of Kathasaritsagara and Vetlapanchavimshatika.

d) संस्कृत साहित्य में कथा-काव्य परम्परा के विकास को स्पष्ट कीजिए।
Discuss the development of the Katha-Kavya tradition in Sanskrit literature.

5. Write short notes on any two of the following | निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (2 × 4.5 = 9 marks / अंक)

- a) मित्रलाभः (Mitralabha)
- b) मूर्खब्राह्मणकथा (The Foolish Brahmin's Tale)
- c) पञ्चतन्त्र की संरचना (Structure of the Panchatantra)
- d) पुरुषपरिक्षा (Purushapariksha)